81 करोड़ बिजली बिल वसूली के लिये जेबीवीएनएल ने सरकारी कार्यालयों को भेजा नोटिस

बिजली बिल वसूली के लिये अभियान शुरू

▶▶मार्च महीने में राजस्व वसूली का दबाव निगम के ऊपर रहता है

▶▶सरकारी कार्यालयों को नोटिस भेज कर बिल वसूली की जा रही है

तेजयुग न्यूज

रांची:झारखंड बिजली वितरण निगम की ओर से लगातार बिजली बिल वसूली के लिये अभियान चलाया जा रहा है। जहां आम घेरलू उपभोक्ताओं से बिल वसूली और चोरी के खिलाफ छापेमारी की जाती है। वहीं, सरकारी कार्यालयों को नोटिस भेज कर बिल वसूली की जा रही है। पिछले दिनों रांची विद्युत आपूर्ति कार्यालय की ओर से रांची के सरकारी आवासों और कार्यालयों को नोटिस भेजा गया था। वहीं, अब जमशेदपुर के विभिन्न सरकारी कार्यालयों से बिजली बिल वसूली के लिये नोटिस भेजा गया है। इसमें जमशेदपुर, आदित्यपुर, कोल्हान क्षेत्र शामिल है। जहां के सरकारी कार्यालयों में कुल 81 करोड़ रुपए बकाया है। बकाया राशि भुगतान के लिये 31 मार्च तक का समय दिया गया है। बकाया राशि 31 मार्च तक जमा नहीं करने पर कार्रवाई की जायेगी।

आदित्यपुर विद्युत अवर प्रमंडल के अधीन आनेवाले सरकारी विभागों और बड़े उद्योगों पर ही करीब 7 करोड़ से अधिक का बिजली बिल बकाया है। इसमें नगर निगम, पीएचडी, जेआरडीसीएसल और जियाडा जैसे सरकारी विभाग शामिल हैं। इसमें आदित्यपुर नगर निगम पर करीब 1.10 करोड़, पीएचडी पर लगभग 3. 20 करोड़, जियाडा पर 1.66 करोड़ और जेआरडीसीएल पर लगभग 45 लाख का बिजली बिल बकाया है। मार्च महीने में राजस्व वसूली का दबाव निगम के ऊपर रहता है। इसको देखते हुए सभी संबंधित विभागों को नोटिस भेजा गया है। यदि समय रहते उनके द्वारा बकाया बिल का भुगतान नहीं किया गया तो उनका कनेक्शन काटा जायेगा। आपूर्ति कार्यालय की मानें तो एकमुश्त बिल का भुगतान नहीं कर पाते हैं तो उनके लिए किश्तवार बिल भुगतान करने की भी व्यवस्था है। वे इसका भी लाभ ले सकते हैं। आदित्यपुर परिक्षेत्र में 323 घरेलू उपभोक्ताओं की भी सूची तैयार की गई है। जिनका बिल 10 हजार या उससे अधिक है। यदि वे मार्च महीने के अंत तक बकाया बिल का भुगतान नहीं करते हैं तो उक्त कनेक्शन कट दिया जायेगा। इस तरह से विभाग अब सख्त कार्रवाई करने की तैयारी में है।

रांची रवाना होगी देवघर की 16 सदस्यीय टीम

रांची: झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित इंटर डिस्ट्रिक्ट अंडर-19 क्रिकेट टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए देवघर की 16 सदस्यीय खिलाड़ियों की टीम शनिवार को दुमका रांची इंटरसिटी से सुबह 5 बजे रांची के लिए रवाना होगी। टीम के कप्तान मोहम्मद जुनैद सिद्दीकी होंगे। साथ ही टीम के मैनेजर एवं कोच की भूमिका में सोनू गुप्ता टीम में है। इस दौरान देवघर से 16 सदस्यीय टीम रांची रवाना होने से पहले शुक्रवार को केकेएन स्टेडियम में देवघर जिला क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव विजय झा की अध्यक्षता में एकजुट हुई। उसके बाद संगठन के सभी सदस्यों और खिलाड़ियों के साथ फोटो सेशन होने के बाद टीम को शुभकामनाएं देकर रांची के लिए रवाना किया। इस बात की जानकारी देवघर जिला क्रिकेट एसोसिएशन संयुक्त सचिव सह मीडिया प्रभारी राकेश पांडेय ने दी।

मल्टीपल धमनी ग्राफ्ट-सीएबीजी की विधि सर्जरी के लिए बेहतर : डॉ अशोक बंदोपाध्याय

रांची: पीयरलेस हॉस्पिटल कोलकाता में कार्डियोथोरेसिक सर्जरी विभाग के क्लिनिकल डायरेक्टर डॉ अशोक बंदोपाध्याय ने कहा कि मल्टीपल धमनी ग्राफ्ट-सीएबीजी की विधि को सर्जरी का सबसे अच्छा तरीका मानता हूं और लंबे समय से इसे कर रहा हूं। मैंने इस विषय पर फ्रांस में भी एक पेपर प्रस्तुत किया है। मल्टीपल धमनी ग्राफ्ट शिरापरक ग्राफ्ट की तुलना में बेहतर दीर्घकालिक परिणाम प्रदान करते हैं। हालांकि मरीज तुरंत इसके महत्व को नहीं समझ पाते हैं। समय के साथ, जो लोग कई धमनियों के ग्राफ्ट से गुजरते हैं, उन्हें बेहतर परिणाम का अनुभव होता है। डॉ बंदोपाध्याय ने कहा कि धमनी ग्राफ्ट, जैसे कि बाएं और दाएं आंतरिक स्तन धमनियां (लीमा और रीमा) और रेडियल धमनी, में पैर से ली गई नसों की तुलना में अवरुद्ध होने की काफी कम संभावना होती है। यह कम जोखिम बेहतर जीवित रहने की दर और बीमारी की पुनरावृत्ति की संभावना को कम करने में योगदान देता है। मल्टीपल धमनी ग्राफ्ट करने के लिए उच्च स्तर के कौशल और धैर्य की आवश्यकता होती है, क्योंकि यह शिरापरक ग्राफ्ट का उपयोग करने की तुलना में अधिक जटिल और समय लेने वाला है। हालांकि, कौशल और समय में निवेश का लाभ रोगी को बेहतर दीर्घकालिक परिणामों के रूप में मिलता है। डॉ बंदोपाध्याय ने कहा कि जटिलता और समय के कारण रोगी तुरंत एकाधिक धमनी ग्राफ्ट की पसंद की सराहना नहीं कर सकते हैं, लेकिन समय के साथ उनकी संतुष्टि बढ़ जाती है क्योंकि वे बेहतर परिणाम और कम पुनरावृत्ति दर का अनुभव करते हैं। पारंपरिक शिरापरक ग्राफ्ट की तुलना में मल्टीपल धमनी ग्राफ्ट बेहतर दीर्घकालिक परिणाम, रुकावट का कम जोखिम और उच्च रोगी संतुष्टि प्रदान करते हैं।

प्रोजेक्ट इंपैक्ट का आकलन पत्र भरने में लापरवाही बरतने वाले शिक्षकों के खिलाफ होगी कार्रवाई

रांची: प्रोजेक्ट इंपैक्ट का आकलन पत्र नहीं भरने वाले शिक्षकों और प्रधानाध्यापकों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई होगी। साथ ही उन शिक्षकों और प्रधानाध्यापकों का वेतन भी रोका जाएगा। राज्य सरकार ने सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता में सुधार लाने को लेकर यह प्रोजेक्ट लागू किया है। राज्य शिक्षा परियोजना निदेशक आदित्य रंजन ने प्रोजेक्ट इंपैक्ट की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में आदित्य रंजन ने कहा कि प्रोजेक्ट इंपैक्ट की असेसमेंट शीट को केवल भरना नहीं है। असेसमेंट शीट में दिए गए मानकों के आधार पर स्कूलों में वातावरण विकसित हो, यह भी सुनिश्चित करना है। स्कूलों में केवल पढ़ाई नहीं, पाठ्येतर गतिविधियां भी जरूरी है। मई महीने से राज्य के सभी स्कूलों का राज्यस्तरीय टीम द्वारा औचक निरिक्षण किया जायेगा। आदित्य रंजन ने बताया कि आंकलन शीट में बेहतर प्रदर्शन करने वाले टॉप फाइव स्कूलों को राज्यस्तर पर सम्मानित किया जाएगा और लास्ट फाइव परफॉर्म करने वाले स्कूलों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। शिक्षक और प्रधानाध्यापक आपसी समन्वय स्थापित करते हुए जिम्मेदारी पूर्वक प्रोजेक्ट इम्पैक्ट को लागू करवाएं। जिम्मेदारी रजिस्टर को शुरू करके अपने अपने कार्यों को बराबर बांटे व प्रतिदिन के हिसाब से जिम्मेदारी तय करें।

शीतला माता सप्तमी पूजा एक अप्रैल को

रांची: राष्ट्रीय सनातन एकता मंच के प्रांतीय प्रवक्ता सह रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के संयुक्त महामंत्री संजय सर्राफ ने कहा है, इस वर्ष शीतला सप्तमी पूजा 1 अप्रैल को मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि शीतला सप्तमी पर मां दुर्गा के स्वरूप शीतला माता की पूजा की जाती है। होली के साथ सात दिनों के बाद शीतला सप्तमी मनाई जाती है, कुछ लोग शीतला अष्टमी भी मानते हैं, शीतला सप्तमी- अष्टमी दोनों ही दिन माता शीतला की पूजा की जाती है शीतला सप्तमी को बसौढ़ा भी कहा जाता है। हिंदू धर्म में हर साल चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को यह त्यौहार मनाया जाता है। शीतला अष्टमी इस वर्ष 2 अप्रैल को है जो लोग शीतला सप्तमी मानते हैं 1 अप्रैल के दिन शीतला सप्तमी का पूजन करेंगे। बसौड़ा शीतला माता को समर्पित त्यौहार है। शीतला माता ठंडक प्रदान करने वाली देवी है। यह व्रत होली के सातवें दिन पड़ता है। मान्यता है कि इस दिन शीतला माता की विधि विधान से पूजा करने से बीमारियों से मुक्ति मिलती है और घर में सुख शांति आती है। हिंदू धर्म में शीतला अष्टमी का विशेष महत्व होता है माना जाता है कि इस दिन माता शीतला की आराधना करने से भक्तों को सभी कष्ट दूर होते हैं और मनोकामनाएं पूरी होती है इसके साथ ही रोगों से मुक्ति मिलने की मान्यता है शीतला माता को शीतलता प्रदान करने वाला माना गया है शीतला माता को सप्तमी वअष्टमी के दिन बासी भोजन का भोग लगाया जाता है। इसके बाद इसे प्रसाद के रूप में ग्रहण किया जाता है। इस दिन दिन बासी भोजन करने से शीतला माता का आशीर्वाद प्राप्त होता है। मारवाड़ी समाज शीतला पूजा बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं।

ईद एक्सपो बाजार का उद्घाटन

▶▶बच्चो के आनंद के लिए झूला भी लगाया गया है

तेजयुग न्यूज

रांची: 28 मार्च से 7 अप्रैल तक 11 दिवसीय ईद एक्सपो बाजार का आयोजन रिसालदार शाह बाबा दरगाह मैदान, डोरंडा, रांची में ईद एक्सपो बाजार की शुरूआत उद्घाटन के साथ हो गई ।यहां पर बड़े, बच्चो, लेडीज जेंट्स सभी के कपड़े, कुर्ता, नकाब-हिजाब, बनारसी साड़ी, लखनवी और कश्मीरी शूट से लेकर हर तरह के कपड़े, क्रॉकरी के अनेकों प्रकार, कालीन, फूड स्टॉल, जूता चप्पल सैंडल, कॉस्मेटिक, चश्मा, बर्तन, खिलौना, कई स्कूल, टू व्हीलर के कई कंपनी, आर्ट एंड क्राफ्ट, ज्वेलरी, लेडीज कॉर्नर, आचार पापड़, खाने के नमकीन आइटम, ड्राई फूड, सेवई, बेड शीट, दस्तरखान के साथ ईद की सभी जरूरतों के समान उपलब्ध हैं। साथ ही बच्चो के आनंद के लिए झूला भी लगाया गया है। ये सभी स्टॉल झारखंड के साथ साथ कश्मीर, बनारस, दिल्ली, बंगाल, कोलकाता, राजस्थान, मध्य प्रदेश आदि देश के अलग अलग राज्य से अपने विभिन्न प्रकार सामानों के साथ आ चुके हैं । मौके पर सदर अय्यूब गद्दी, सेक्रेटरी जावेद अनवर, उपाध्यक्ष मो रिजवान, मो बेलाल, संयुक्त सचिव जुल्फेकार अली भुट्टो, मो सादिक, कोषाध्यक्ष जैनुल आबेदीन उर्फ राज, वार्ड नो 45 के निवर्तमान पार्षद नसीम गद्दी उर्फ पप्पू गद्दी, अनीस गद्दी, नज्जु अंसारी, संपा गद्दी, मो खालिक गद्दी, साजिद उमर, मिनहाज गद्दी, आफताब आलम, बबलू पंडित, सहजाद बबलू, आफताब आलम,आसिफ नईम, सहीन, सरफराज कुरैशी, एजाज गद्दी, वसीम, राजू गद्दी, आजाद अली गद्दी, आजाद गद्दी, आशु गद्दी, छोटे गद्दी, मुस्ताक गद्दी, महफूज गद्दी, रजा, चांद, आकीब गद्दी, आदिल गद्दी आदि उपस्थित थे।

महिला हॉकी टीम के राष्ट्रीय कैंप में झारखंड की 10 खिलाड़ी आमंत्रित

राष्ट्रीय खबर

रांची: सीनियर भारतीय महिला हॉकी टीम के राष्ट्रीय कैंप के लिए झारखंड की 10 खिलाड़ियों को आमंत्रित किया गया है। इसमें निक्की प्रधान, सलीमा टेटे संगीता कुमारी, रोपनी कुमारी, दीपिका सोरेंग, सोनल मिंज, महिमा टेटे, प्रमिला कुमारी, अंजना डुंगडुंग और अनीशा डुंगडुंग शामिल हैं। इससे पूर्व जूनियर भारतीय महिला हॉकी टीम के राष्ट्रीय कैंप के लिए भी झारखंड के छह खिलाड़ियों को आमंत्रित किया गया है। आगामी 1 से 7 अप्रैल तक 2024 तक साई सेंटर बेंगलुरु में आयोजित सीनियर भारतीय महिला हॉकी टीम के राष्ट्रीय कैंप के लिए झारखंड की 10 महिला हॉकी खिलाड़ी निक्की प्रधान, सलीमा टेटे, संगीता कुमारी, रोपनी कुमारी, दीपिका सोरेंग, सोनल मिंज और महिमा टेटे जो हॉकी झारखंड टीम का प्रतिनिधित्व किया था, उन्हें शामिल किया गया है। इसके अलावा प्रमिला कुमारी, अंजना डुंगडुंग और अनीशा डुंगडुंग जिन्होंने हॉकी बंगाल टीम का प्रतिनिधित्व किया था उन्हें भी आमंत्रित किया गया है। इन 10 खिलाड़ियों के अलावा झारखंड की ब्यूटी डुंगडुंग पूर्व से ही बेंगलुरु में ही है। इन सभी खिलाड़ी का चयन 13 से 23 मार्च तक पुणे में आयोजित 14वें हॉकी इंडिया सीनियर राष्ट्रीय महिला हॉकी चैंपियनशिप 2024 में प्रदर्शन के आधार पर किया गया। साई रांची के सीनियर महिला हॉकी खिलाड़ियों का स्थानांतरण सीनियर साई एक्सिलेंसी सेंटर कोलकाता में हो गया है इसलिए झारखंड के कई खिलाड़ी अब सीनियर नेशनल में हॉकी बंगाल का भी प्रतिनिधित्व करते हैं। सीनियर के अलावा जूनियर इंडिया टीम के कैंप में भी झारखंड के नीरु कुल्लू, रजनी केरकेट्टा, बिनिमा धान, निराली कुजूर, निशा मिंज और संजना होरो कुल 06 को आमंत्रित किया गया है। सीनियर कैंप के लिए आमंत्रित 10 खिलाड़ियों में से 06 खिलाड़ी निक्की प्रधान, सलीमा टेटे, संगीता कुमारी, सोनल मिंज, दीपिका सोरेंग और रोपनी कुमारी रांची रेलवे में कार्यरत है। जबकि चार खिलाड़ी महिमा टेटे,अंजना डुंगडुंग, प्रमिला कुमारी और अनीशा डुंगडुंग अभी एकलव्य रांची और साई कोलकाता में प्रशिक्षण ले रहे है। सीनियर भारतीय महिला हॉकी टीम के राष्ट्रीय कैंप में एक साथ झारखंड के 10 खिलाड़ियों को आमंत्रित करने पर खेल निदेशक सुशांत गौरव, हॉकी झारखंड के अध्यक्ष भोलानाथ सिंह, विजय शंकर सिंह समेत और पदाधिकारी ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

जगत के उद्धार के लिए यीशु मसीह ने खुद को क्रूस पर बलिदान कर दिया था : मॉडरेटर बिशप जोहन

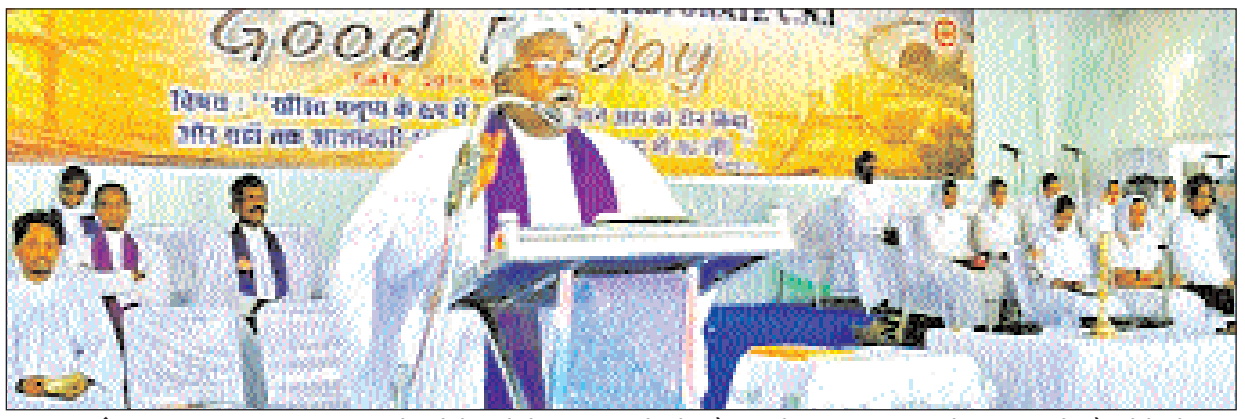

तेजयुग न्यूज

रांची: गुड फ्राइडे के अवसर पर आज जीईएल चर्च में विशेष अराधना हुई। मौके पर चर्च के मॉडरेटर बिशप जोहन डांग ने कहा कि आज के ही दिन जगत के उद्धार के लिए यीशु मसीह क्रूस ने खुद को क्रूस पर बलिदान कर दिया था। क्रूस बल्दिान के जरिए पूर्व के दिनों में की भविष्यवाणी को पूरा किया गया था। मॉडरेटर बिशप डांग ने कहा कि हम मसीही हैं और इस घटना पर विश्वास करते हैं। यीशु को अपनी क्रूस मृत्यु के बारे में पहले से ज्ञात था और अपनी क्रूस मृत्यु से एक दिन पूर्व प्रभुभोज के दौरान वे बताते हैं कि उनके शिष्यों में से ही कोई उन्हें पकड़वायेगा। पिलातुस ने यह देखते हुए भी कि यीशु में कोई दोष नहीं वह यीशु को क्रूस पर चढ़ाने का आदेश देता है। यीशु को गोलगाथा की पहाड़ी में ले जाकर क्रूस पर चढ़ा दिया जाता है। यीशु, पिता परमेश्वर की योजना पूरी करने कते लिए शारीरिक वेदना सहते हैं।

क्रूस पर ही यीशु सात वाणियां बोलते हैं। इनमें पहली तीन वाणियां सुबह नौ बजे से लेकर दिन के बारह बजे के बीच बोली गयी थी जबकि शेष चार वाणियां 12 बजे से दिन के तीन बजे के बीच वे बोलते हैं। पहली तीन वाणियां पूरे संसार के लिए संदेश है। पहली क्रूसवाणी महायाजक की प्रार्थना है। वे इसमें क्षमा की बात करते हैं।यीशु ने हमें पूरे दिल और मन से प्रार्थना करने सिखाया है। हमारे जीवन में भी कई तरह की विपत्तियां, दुख, निराशा आदि के क्षण आते हैं। ऐसे में हम अक्सर प्रार्थना करना छोड़ देते हैं। पर जैसे भी हालात हो हमें प्रार्थना करना नहीं छोड़ना है। सच्चे मन से की गई प्रार्थनाओं को परमेश्वर सुनता है। मॉडरेटर ने दूसरी और तीसरी क्रूस वाणी का भी मर्म समझाया। इसके बाद शेष चार क्रूस वाणियों पर बिशप सीमांत तिर्की ने प्रकाश डाला। इससे पूर्व रेव्ह एन गुड़िया ने आराधना का संचालन किया। आराधना में बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

यात्रियों की भीड़ को देखते हुए रेलवे ने ट्रेनों का किया अवधि विस्तार

तेजयुग न्यूज

रांची: दक्षिण पूर्व रेलवे की ओर से राज्य में चलने वाली स्पेशल ट्रेन को अवधि विस्तार दिया गया है। वहीं कुछ ट्रेनों में अतिरिक्त कोच जोड़ा गया है। यात्रियों की भीड़ और लंबी वेटिंग लिस्ट को देखते हुए रेलवे ने ये निर्णय लिया है।अप्रैल में नवरात्रि और फिर गर्मी छुट्टियों को ध्यान में रखते हुए, रेलवे ने स्पेशल ट्रेनों को अवधि विस्तार दिया है। इसके साथ ही पूर्व से संचालित स्पेशल ट्रेनों के फेरे जून तक बढ़ा दिये गये है। धनबाद होकर चलने वाली कोलकाता बीकानेर और कोलकाता मदार साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेनों में अतिरिक्त कोच जोड़े जाएंगे। धनबाद, बोकारो और रांची होकर चलने वाली रक्सौल हैदराबाद स्पेशल ट्रेन का परिचालन अब जून तक होगा।

नेवर गिव अप का भाव दिलाती है सफलता : सत्यरूप

रांची: जीवन के किसी भी क्षेत्र में सफलता के लिए नेवर गिव अप का अटल भाव रखें। यदि कोई शारीरिक कमी है, तो वह भी सफलता में आड़े नहीं आएगी। यह बात प्रसिद्ध पर्वतारोही सत्यरूप सिद्धांत ने कही।सत्यरूप सिद्धांत शुक्रवार को अपनी प्रस्तावित नॉर्थ पोल एक्सपीडिशन को लेकर आयोजित वेबिनार को संबोधित कर रहे थे। आइ थ्री फाउंडेशन व श्री अग्रसेन स्कूल भुरकुंडा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस वेबिनार में सत्यरूप ने अपने पर्वतारोहण के अनुभव को साझा करते हुए नॉर्थ पोल की चुनौतियों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि बचपन में वे अस्थमा से ग्रसित थे। ऐसे में सामान्य जीवन भी प्रभावित था। पर्वतारोही बनना तो दूर की बात थी। लेकिन धीरे-धीरे उन्हें पहाड़ों से प्यार हो गया। यह बात समझ आ गई कि फिजिकल चैलेंजेस को जीता जा सकता है। बस माइंड डिसएबिलिटी नहीं होनी चाहिए। पर्वतों पर चढ़ाई के दौरान सफलता ने कम और असफलता ने ज्यादा सिखाया। जब प्रयास पैशन बन गया, तो एक-एक करके दुनिया के सर्वोच्च शिखरों, जवालामुखी पर्वतों, माउंट एवेरेस्ट व साउथ पोल की सफल चढ़ाई कर पाया। अब टारगेट नॉर्थ पोल है। सत्यरूप ने मोटिवेशन के बाबत कहा कि सपने को रियलिटी बनाने के लिए एक्शन लेना पड़ता है। जब सर्वोच्च शिखर पर देश का तिरंगा लहराते हैं, तो वहां कोई दर्शक नहीं होता। हमारे दर्शक पहाड़, आकाश और नजारे होते हैं। यह सफलता अगले लक्ष्य के लिए हमारी हिम्मत को और बढ़ा देती है।वेबिनार में उन्होंने पर्वतारोही बनने के संबंध में कहा कि मानसिक मजबूती के साथ छोटे स्तर से शुरूआत करें। संपूर्ण जानकारी जुटाएं। पर्वतारोहियों के बारे में पढ़ें। उनकी चुनौतियों और उससे पार पाने के उनके प्रयासों को जानें। धीरे-धीरे अपने टारगेट को ऊंचा उठाते रहें। फाउंडेशन के संस्थापक राजीव गुप्ता ने कहा कि 20 अगस्त 2023 को रांची में आयोजित 70 वें एवरेस्ट सम्मेलन की सफलता के बाद झारखंड में कई नए लोगों ने पर्वतारोहण की शुरूआत की है। ऐसे लोगों का समूह कुछ महीने पहले ही अन्नपूर्णा बेस कैंप की सफल चढ़ाई कर चुका है। इस अवसर पर कनिष्क पोद्दार, प्रवीण राजगढ़िया, श्रवण जाजोदिया, अनूप प्रसाद, अमित मोदी आदि ने सत्यरूप सिद्धांत को नॉर्थ पोल यात्रा की सफलता की शुभकामनाएं दी। अप्रैल में शुरू होगा नॉर्थ पोल एक्सपीडिशनसत्यरूप सिद्धांत ने बताया कि एक अप्रैल से उनकी नॉर्थ पोल की यात्रा साइबेरिया की राजधानी क्रास्नोयार्स्क से शुरू होगी। 10 दिनों की स्कीइंग शुरू करते हुए 90 डिग्री उत्तर की ओर 111 किलोमीटर का सफर तय कर उत्तरी ध्रुव पर पहुंचेंगे। मौसम प्रतिकूल होने पर समय लंबा हो सकता है। यात्रा के दौरान तैरते बर्फ पर चलना पड़ता है। पोलर बियर व अन्य बर्फीले जानवरों का खतरा सबसे अधिक होता है। इस सफर के दौरान कमर में टाइअप किया हुआ खाने-पीने और अन्य जरूरी सामान से भरा बॉक्स के स्लेज को भी खींचना पड़ेगा।

व्यवस्था

सुबह 9 से 3 बजे तक कर सकेंगे कंसल्टेशन

सदर हॉस्पिटल में खुला होमियोपैथी क्लिनिक

▶▶ओपीडी के टाइम पर आप भी डॉक्टर से कंसल्टेशन कर सकते है

तेजयुग न्यूज

रांची : राजधानी के दूसरे सबसे बड़े सरकारी हॉस्पिटल सुपरस्पेशियलिटी सदर में व्यवस्था दुरुस्त किए जा रहे है। सभी विभागों के अलग विंग का विस्तार किया जा रहा है। ओपीडी से लेकर इनडोर तक डॉक्टरों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। इस कड़ी में सदर में होमियोपैथी क्लिनिक की शुरूआत की गई है। जहां पर डॉक्टर बैठ रहे है। ओपीडी के टाइम पर आप भी डॉक्टर से कंसल्टेशन कर सकते है। जल्द ही हॉस्पिटल में जरूरी दवाएं भी उपलब्ध होगी। जिससे कि मरीजों को एक ही छत के नीचे सारी सुविधाएं मिल सके। और दवा के लिए उन्हें बाहर की दौड़ न लगानी पड़े।हॉस्पिटल के नए भवन में सभी विभागों के ओपीडी खुल गए है।

कंसल्टेंट स्पेशलिस्ट डॉक्टरों को विजिट के लिए बुलाया जा रहा है। इसके अलावा कई डॉक्टरों से सदर हॉस्पिटल ने टाईअप भी किया है। जिसमें ओंकोलॉजी के डॉक्टर, नेफ्रोलॉजिस्ट, पेडियाट्रिशियन शामिल है। ये डॉक्टर रेगुलर विजिट कर रहे और मरीजों की सर्जरी भी की जा रही है। यहीं वजह है कि मरीजों की संख्या अचानक से सदर में बढ़ गई है। ओपीडी में आने वाले मरीजों की संख्या 1 हजार के लगभग है। इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि कैसे मरीजों की संख्या में इजाफा हो रहा है।इस मामले में सदर हॉस्पिटल के डिप्टी सुपरिटेंडेंट डॉ विमलेश सिंह का कहना है कि होमियोपैथी क्लिनिक की शुरूआत तो हुई है। डॉक्टर भी बैठ रही है। मरीज भी आते है। फिलहाल हॉस्पिटल में दवाएं नहीं है। इसलिए लोगों को बाहर से खरीदना पड़ रहा है। हमारा प्रयास है कि जल्द से जल्द जरूरी दवाएं उपलब्ध कराई जा सके। कम से कम इमरजेंसी वाली दवाएं मरीजों को हॉस्पिटल से ही मिल सकेगी।

रातू हुरहुरी चौक में इफ्तार पार्टी का आयोजन

रांची: हुरहुरी चौक मस्जिद रातू में इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया। इफ्तार पार्टी में मुख्य तौर पर कांग्रेस नेता सुनील सहाय, अजय नाथ शाहदेव, कमरुल हक, पृथ्वी नाथ साहदेव,मोजीबुल्लाह अंसारी आदि ने शिरकत की। इस दौरान श्री सहाय ने कहा कि इफ्तार मुसलमानों के ईमान को पुख्ता बनाता है । अजय नाथ साहदेव ने कहा कि इफ्तार पार्टी आपसी भाई चारगी बनाने का बढ़िया कार्यक्रम है। कार्यक्रम को सफल बनाने में झामुमो नेता शमीम बड़ेहार,हाजी मंसूर अंसारी,खलील अंसारी ,मुबारक खान,फिरोज खान,अफजाल अंसारी, जाकिर अंसारी ,अख्तर अंसारी, रजब अली साहब आदि का मुख्य योगदान रहा। पार्टी में आसपास के मुस्लिम भाई समेत अन्य लोग भी शामिल हुए।